संडे
देहरादून
12 सितम्बर • 2021
राष्ट्रीय सहारा
वर्ष-14, अंक 5019, मूल्य ₹ 3.00
राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण
गढ़वाल संस्करण

नवीनतम कृषि जानकारियों पर वेबीनार आयोजित

■ उत्तरकाशी/एसएनबी।

देश की आजादी के अमृत महोत्सव के तहत विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) की ओर से आयोजित दो दिवसीय वेबीनार का समापन हो गया है। वेबीनार का कृषि विज्ञान केन्द्र चिन्यालीसौड़ ने बड़े पर्दे पर सजीव प्रसारण किया। कार्यक्रम में केन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. चित्रांगद सिंह राघव ने कहा कि पर्वतीय कृषि को नयी दिशा देकर कृषि क्षेत्र में नयी तकनीकों के समावेश के साथ कार्य करने की जरूरत है।

बेवीनार के पहले दिन केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला के प्रधान वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव शर्मा ने पर्वतीय क्षेत्रों में आलू की उन्नत उत्पादन तकनीकी के बारे में डा. जे स्टेनली ने पादप सुरक्षा प्रभाग, भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने पर्वतीय फसल में एकीकृत कीट प्रबंधन, डा. अवनी कुमार सिंह प्रधान वैज्ञानिक,संरक्षित कृषि प्रौद्योगिकी केंद्र, नई दिल्ली ने किसानों की आय वृद्धि के लिये संरक्षित खेती जैसे विषयों पर व्याख्यान दिए।

कृषि विज्ञान केंद्र चिन्यालीसौड़ में वेबीनार का बड़े पर्दे पर किया गया सजीव प्रसारण

पर्वतीय कृषि को नयी दिशा देकर कृषि क्षेत्र में नयी तकनीकों के समावेश के साथ कार्य करने पर दिया जोर

उत्तरकाशी : वेबीनार में उपस्थित वैज्ञानिक, कृषक व छात्र-छात्राएं।

द्वितीय दिवस में विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. कृष्ण कान्त मिश्रा ने मशरूम उत्पादन तकनीकी एवं पर्वतीय फसल में एकीकृत रोग प्रबंधन विषय पर तथा डॉ. निर्मल कुमार हेडाऊ ने पर्वतीय क्षेत्रों में बेमौसमी सब्जी उत्पादन पर महत्वपूर्ण व्याख्यान दिए गये। कार्यक्रम में डॉ. लक्ष्मीकांत, निदेशक विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान अल्मोड़ा ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम किसानों के लिये काफी लाभकारी सिद्ध होंगे।